केवल आन्तरिक वितरण हेतु

परिसर समाचार

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर–263145, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

वर्ष : 2, अंक : 24 | पाक्षिक | 16–30 नवम्बर, 2010

कुलपति की कलम से

विज्ञान के क्षेत्र में दिनों–दिन नये आवि कार एवं विकास कार्य हो रहे हैं। इसका सबसे अच्छा उदाहरण है संचार के क्षेत्र में मोबाइल टेलीफोन तकनीकी में नित नये आयाम व उत्पादों की उपलब्धता। सूचना एवं संचार तकनीकी तथा जैव प्रौद्योगिकी ऐसे वि य हैं जो कि भवि य के लिये विज्ञान की किसी भी विधा में प्रगति हेतु अत्यन्त महत्वपूर्ण होंगे। कृ ि विज्ञान एवं पशुपालन के क्षेत्र में भी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का जैव प्रौद्योगिकी के साथ ही अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहने की सम्भावना है। बायो–इन्फारमेटिक्स तीव्रता से उभरता हुआ वि य है। इसमें विज्ञान के कई वि यों एवं मानविकी का समावेश होता है। इस वि य को भली–भांति समझने तथा उपयोग में लाने की आवश्यकता है। कृ ि के क्षेत्र में त्वरित विकास हेतु उपयुक्त वि यों के समग्रीकृत अध्ययन की भी आवश्यकता है। चूंकि पंतनगर विश्वविद्यालय प्रारम्भ से ही कृ ि प्रसार एवं सूचना प्रौद्योगिकी विकास में अग्रणी रहा है, अतः पुनः यह उम्मीद की जानी चाहिए कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक उपरोक्त वर्णित विधाओं में भी उपयोगी कार्य करेंगे।

डा. बी.एस. बिष्ट

पंडित गोविन्द बल्लभ पंत स्मृति व्याख्यान आयोजित

दिनांक 17 नवम्बर, 2010 को विश्वविद्यालय द्वारा सफलतापूर्वक 50 वर्ष पूरे करने के पश्चात 51वें जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर विश्वविद्यालय का 51वाँ जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 7वाँ भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत स्मृति व्याख्यान भी आयोजित किया गया। कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के पूर्व शोध निदेशक, डा. वी. पी. पाण्डया, पूर्व अधिष्ठाता, मानविकी महाविद्यालय, डा. जी.के. गर्ग सहित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी गण एवं विद्यार्थी भी इस मौके पर उपस्थित थे। इस समारोह में अंतर्राष्ट्रीय कृषिवानिकी शोध केन्द्र (आई.सी.आर.ए.एफ.) के दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय प्रतिनिधि, डा. वी.पी. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डा. बिष्ट ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए पंडित गोविन्द बल्लभ पंत के बहुमूल्य योगदानों का उल्लेख किया एवं कहा कि पंडित पंत के प्रयासों के परिणामस्वरूप ही पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की वर्ष 1960 में स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों एवं हरित क्रांति के द्वारा हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ। डा. बिष्ट ने भविष्य की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सन् 2030 तक हमारे देश की आबादी लगभग 150 करोड़ तक हो जायेगी तथा उसी के अनुरूप हमारी खाद्यान्न आवश्यकता भी लगभग 150 मिलियन टन होगी। इसको ध्यान में रखते हुए आने वाले समय में जब खेती योग्य भूमि की उपलब्धता कम होगी, हमें अपने वैज्ञानिक प्रयासों को और तेज करना होगा तथा फसलों एवं उपयोगी पशुओं की सुपर प्रजातियाँ विकसित करनी होगी, जो बदलते जलवायु दशाओं में सामंजस्य स्थापित कर अधिक से अधिक उत्पादन दे सकें। डा. बिष्ट ने प्रतिकूल होती जा रही जलवायु दशाओं के मद्देनजर वैज्ञानिकों से उपयुक्त एवं प्रभावी तकनीकी विकसित करने का आह्वान किया। इस कार्य में उन्होंने पंतनगर विश्वविद्यालय की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया तथा आने वाले समय में इसे अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय बनाने का प्रस्ताव रखा जिसकी पूरे विश्व में अपनी एक अनोखी पहचान होगी।

समारोह के मुख्य अतिथि तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रह चुके डा. वी.पी. सिंह ने जलवायु परिवर्तन तथा उसकी चुनौतियों के समाधान हेतु उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान ग्रामीण भारत एवं कृषि की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कृषि शिक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। डा. सिंह ने पारम्परिक कृषि शिक्षा, शोध एवं उत्पादन में आमूल चूल परिवर्तन करने का सुझाव दिया जिससे भविष्य में प्रतिकूल होती जा रही जलवायु दशाओं में खाद्यान्न की आवश्यकता को पूरा किया जा सके। उन्होंने वैश्विक जलवायु परिवर्तन के विभिन्न कारणों का उल्लेख करते हुए इसके प्रभावों के बारे में बताया। कृषि वानिकी को बढ़ावा देने पर बल देते हुए डा. सिंह ने कहा कि इससे असंतुलित होते जा रहे पर्यावरण को नियंत्रित करने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कम होते जा रहे भूमिगत जल स्तर को ठीक रखने, मृदाक्षरण, भूमि की उर्वरता को सुधारने, फलों का उत्पादन बढ़ाने तथा अधिक आय प्राप्त करने में कृषिवानिकी को उपयोगी बताया। इस अवसर पर कई दशकों तक विश्वविद्यालय की सेवा कर चुके पादप प्रजनन विज्ञानी, डा. वी.पी. पाण्डया ने अतीत की स्मृतियों का उल्लेख करते हुए पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रारम्भिक दौर में विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं का उल्लेख किया। पूर्व अधिष्ठाता, डा. जी.के. गर्ग ने आजादी के बाद पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना तथा कृषि के क्षेत्र में क्रमबद्ध विकास में विश्वविद्यालय के योगदानों का उल्लेख किया। उन्होंने ऐतिहासिक संस्मर्णों का जिक्र करते हुए बताया कि 17 नवम्बर को ही देश के पहले प्रधानमंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू ने विश्वविद्यालय की स्थापना के अवसर पर परम्परागत कार्य शैली से अलग हटकर कुछ नया करने का आह्वान किया था। डा. गर्ग ने पंडित गोविन्द बल्लभ पंत के योगदानों का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा विश्व स्तर पर कार्य करने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में पंडित गोविन्द बल्लभ पंत के छाया चित्र पर सभी ने माल्यार्पण किया। अधिष्ठाता, मानविकी महाविद्यालय, डा. बी.आर.के. गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए देश की सेवा में समर्पित लोगों के लिए पंडित गोविन्द बल्लभ पंत को प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने डा. एस. राधाकृष्णन की सिफारिशों तथा पंडित पंत द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना में किये गये महत्वपूर्ण प्रयासों का उल्लेख किया। कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र के संयुक्त निदेशक, डा. सलिल तिवारी ने इसे ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय क्षण बताया।

नये शैक्षणिक सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास समारोह आयोजित

दिनांक 23 नवम्बर, 2010 को विश्वविद्यालय के नये शैक्षणिक सत्र 2010–2011 में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट ने कहा कि अपने संस्था के साथ–साथ समाज एवं देश के प्रति निष्ठावान बने। विश्वविद्यालय की गरिमामयी इतिहास एवं उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए डा. बिष्ट ने पंतनगर विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने को गर्व का विषय बताया। इस अवसर को उन्होंने विद्यार्थियों के जीवन के सर्वांगीण विकास एवं राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान हेतु तपस्या का शुभारम्भ बताया। विश्वविद्यालय में उपलब्ध उत्तम शिक्षण सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग कर इसका लाभ उठाने का विद्यार्थियों को उन्होंने सुझाव दिया। आज के वैश्वीकरण के दौर में जबकि विकासशील देशों के जीवन शैली बड़ी तेजी से बदल रही है ऐसी परिस्थितियों में डा. बिष्ट ने विद्यार्थियों को अपने उज्जवल भविष्य के लिए सोच समझकर समुचित रणनीति के अंतर्गत अपनी शक्ति का प्रयोग करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं द्वारा पंतनगर के शिक्षा एवं शिक्षण से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गयी। कुलसचिव, डा. जे. कुमार ने विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए विशिष्ट उपलब्धियों का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न पहलुओं से सम्बन्धित यथा अद्वितीय परामर्श पद्धति, छात्रावास जीवन, कृषि शिक्षा में आधारभूत विज्ञान की भूमिका की जानकारी दी। अधिष्ठाता पशुचिकित्सा, डा. जी.के. सिंह ने विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों की विशेषताओं के बारे में उपयोगी एवं विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को दी। डा. रीता सिंह रघुवंशी, अधिष्ठाता गृह विज्ञान महाविद्यालय ने विश्वविद्यालय की सामान्य शिक्षा पद्धति एवं सह–शिक्षा के बारे में जानकारी दी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डा. ए.के. कर्नाटक ने छात्र कल्याण सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। गांधी हाल सभागार में आयोजित इस समारोह के अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक के साथ–साथ बड़ी संख्या में छात्र/छात्राएं उपस्थित थे।

वानिकी एवं पर्वतीय कृि ा महाविद्यालय, रानीचौरी

- वानिकी चतुर्थ वर्ष के छात्र–छात्राओं को उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्दानी में एक माह हेतु वानिकी के विभिन्न आयामों के व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु सम्बद्व किया गया।
- डा. एम.सी.नौटियाल, अधिष्ठाता, वानिकी एवं पर्वतीय कृषि महाविद्यालय, पर्वतीय परिसर, रानीचौरी द्वारा कुमाऊँ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ब्वससवुनपनउ वद न्जजंतींदक क्मअमसवचउमदज त्मजतवेचमबज ंदक च्तवेचमबज रू ।ेबीमउं वित थ्नजनतम ेजतंजमहल में प्रतिभाग किया गया।
- डा. एम.सी.नौटियाल, अधिष्ठाता, वानिकी एवं पर्वतीय कृषि महाविद्यालय, पर्वतीय परिसर, रानीचौरी द्वारा हिमालयन एक्शन रिसर्च सेन्टर (हार्क) द्वारा आयोजित वर्कशाप में प्रतिभाग किया गया।
- विश्वविद्यालय स्वर्ण जयन्ती वर्ष के शुभ अवसर पर वानिकी एवं पर्वतीय कृषि महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम, छात्र–छात्राओं के मध्य वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा वैज्ञानिकों द्वारा विश्वविद्यालय का कृषि विकास में योगदान विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- स्नातक तृतीय वर्ष, वानिकी के छात्रों का स्टडी टूर वानिकी अनुसंधान संस्थान, देहरादून में सम्पन्न कराया गया जिसमें वानिकी के छात्रों को संस्थान के विभिन्न म्यूजियम एवं प्रयोगशालाओं में प्रायोगिक ज्ञान हेतु अध्ययन कराया गया। इस भ्रमण कार्यक्रम में कुल 21 छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- डा. सुनील कुमार, सहायक प्राध्यापक (पशु विज्ञान) द्वारा राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा आयोजित विन्टर स्कूल में प्रतिभाग किया गया। विन्टर स्कूल का मुख्य कार्यक्रम ''आर्थिक एवं सामाजिक बदलाव के लिए डेरी उद्यमिता विकास'' था।

सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय

- मैसर्स हैरीसन मलयालम लि. कोचीन को बी.एस.सी.एजी./एम.एस.सी.एजी. के छात्रों से मैनेजमेंट ट्रेनी पद हेतु 38 बायोडाटा प्रेषित किये गये।
- मैसर्स हिन्द एग्रो इन्डस्ट्रीज, नई दिल्ली को एम.एस.सी. (माइक्रोवाइलौजी) के छात्रों से माइक्रोवाइलौजिस्ट पद हेतु 03 बायोडाटा प्रेषित किये गये।
- पंजाब नेशनल बैंक, नई दिल्ली को बी.एस.सी.एजी./बी.एस.सी. (हार्टीकल्चर)/बी.वी.एस.सी./बी.एस.सी. (फिसरीज)/बी. टैक (एग्री. इंजी.) तथा इन विषयों में स्नातकोत्तर फाइनल वर्ष के छात्रों से प्राप्त 302 बायोडाटा प्रेषित किये गये।
- मैसर्स चम्बल फर्टीलाइजर एण्ड केमीकल्स लि. नई दिल्ली को एम.एस.सी.एजी./एम.बी.ए. छात्रों से प्राप्त 28 बायोडाटा प्रेषित किये गये।
- मैसर्स इन्सेक्टीसाइड (इंडिया) लि., दिल्ली को एम.एस.सी./पी.एच.डी. के छात्रों से प्राप्त 07 बायोडाटा प्रेषित किये गये।
- श्रीजन, नई दिल्ली द्वारा स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों से बायोडाटा आमंत्रित किये गये हैं।
- बी.एस.सी. फूड टैक्नोलाजी से सम्बन्धित 56 कम्पनियों में विश्वविद्यालय छात्रों के रोजगार हेतु आमंत्रण–पत्र प्रेषित किये गये।
- एम.सी.ए. से सम्बन्धित 55 कम्पनियों में विश्वविद्यालय छात्रों के रोजगार हेतु आमंत्रण–पत्र प्रेषित किये गये।

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन प्रको ठ, प्रौद्योगिक महाविद्यालय

प्रौद्योगिक महाविद्यालय में जून, 2011 में उत्तीर्ण होने वाले छात्र/छात्राओं के सेवायोजन हेतु महाविद्यालय के सेवायोजन प्रको ठ के माध्यम से नवम्बर, 2010 तक देश की 5 प्रतिि ठत कम्पनियों द्वारा भ्रमण किया गया तथा मै. वाप्कोस लि. द्वारा 3, मै. महेन्द्र एंड महेन्द्र लि. द्वारा 9, मै. जोन डियर लि. द्वारा 8, मै. टाटा मोटर लि. द्वारा 5 एवं मै. टेफे इंडिया लि. द्वारा 5 यानि कुल 30 छात्र–छात्राओं का चयन किया गया।

वित्त नियंत्रक अमिता जोशी को पदोन्नत वेतनमान

विश्वविद्यालय में राज्य सरकार की ओर से नियुक्त वित्त नियंत्रक, श्रीमती अमिता जोशी को चयन वेतनमान रू. 14300–400–18300 (पुनरीक्षित वेतनमान रू. 37400–67000, ग्रेड पे रू. 8700) में पदोन्नत किया गया है। उत्तराखण्ड वित्त एवं लेखा संवर्ग के अंतर्गत ज्येष्ठ वेतनमान श्रेणी रू. 12000–16500 (पुनरीक्षित वेतनमान रू. 15600–39100) में कार्यरत श्रीमती जोशी को लेखा संवर्ग के अन्य चार अधिकारियों के साथ नियमित चयनोपरांत उपर्युक्त नवीन वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। यह वेतनमान उन्हें वर्तमान तैनाती के स्थान यानि पंतनगर विश्वविद्यालय पर ही प्रदान किया गया है। उत्तराखण्ड शासन के वित्त अनुभाग–6 की 1 दिसम्बर, 2010 को जारी इस आशय की विज्ञप्ति के बाद श्रीमती जोशी ने विश्वविद्यालय में ही नवीन वेतनमान पर आज अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट ने श्रीमती जोशी को चयन वेतनमान मिलने पर बधाई दी है और आशा प्रकट की है कि वे विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण नियंत्रक कार्यालय का अपने कुशल निर्देशन में मार्गदर्शन करते हुए वित्त सम्बन्धी सभी मामलों का उचित रूप से निस्तारण कराने में सफल होंगी। विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों ने भी श्रीमती जोशी को बधाई दी है।

वायु सेना अधिकारियों द्वारा एयर विंग कैडेटों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया

विश्वविद्यालय परिसर में वायु सेना अधिकारियों द्वारा विशेष प्रशिक्षण के तहत उत्तराखण्ड एयर स्क्वाड्रन एन.सी.सी. के सीनियर डिवीजन कैडेटों को प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर कैडेटों ने गैर परम्परागत ऊर्जा व बिजली बचाओ विषयक विभिन्न प्रदर्शनों का भी आयोजन किया। गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी के कमान अधिकारी विंग कमांडर नीरज संगूरी ने कैडेटों का राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय सुरक्षा व एकता तथा अनुशासन को देशहित में सर्वोपरी रखने की नसीहत दी। इस अवसर पर मौजूद एन.सी.सी. अनुदेशक कार्पोरल धनंजय कुमार पाण्डेय ने ड्रील, पीटी लीडरशिप व योग शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने उच्च शिक्षा में कैडेटों को मिलने वाली सुविधा से भी अवगत कराया। उनके अनुसार प्रदेश सरकार ने विश्वविद्यालय के सभी ब्रांचों में एक–एक सीट कैडेटों के लिए आरक्षित कर दी है। इसके अलावा केन्द्र सरकार ने भी वायु सेना सहित अन्य प्रशासनिक सेवाओं में 10 प्रतिशत सीटों को कैडेटों के माध्यम से भरने का आदेश जारी कर दिया है। ऐसी स्थिति में छात्रों के चारित्रिक, शारीरिक व मानसिक विकास हेतु वायु सेना की गतिविधियों में भागादारी सर्वथा लाभकारी सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखण्ड एयर स्क्काड्रन एनसीसी सीनियर डिवीजन कैडेटों ने गैर पारम्परिक ऊर्जा व बिजली बचाओ विषयक विभिन्न पोस्टरों तथा स्लोगनों का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में जे.डब्लू.ओ. छतरपाल सिंह रावत, कार्पोरल धनंजय कुमार पाण्डेय, सार्जेन्ट सिंहाराय, अरविन्द कुमार, राजेन्द्र रायजादा, बाबू राज, प्रशांत आदि की विशेष भूमिका रही।

एन.सी.सी स्थापना दिवस आयोजित

दिनांक 21 नवम्बर, 2010 को उत्तराखण्ड आर एण्ड वी स्क्वाड्रन पंतनगर विंग एन.सी.सी. कैडेटों ने एन.सी.सी. दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अवसर पर कैडेटों ने कैंसर जैसी महामारी से बचाव हेतु जागरूकता रैली निकाली। कैडेटों को सम्बोधित करते हुए कर्नल निकुंज कुमार ने कहा कि कैंसर एक जानलेवा बीमारी बन चुका है। इससे बचाव के सम्भावित उपायों पर पूर्व से ही ध्यान देकर इसके प्रकोप से बचा जा सकता है। उन्होंने कैंसर से संबंधित विभिन्न भ्रांतियों को खारिज करते हुए कैडेटों को इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के प्रति सचेत रहने की सलाह दी। जागरूकता रैली के आयोजन में कर्नल निकुंज कुमार, ए.एन.ओ. सुधीर कुमार व मीना मृगेश तथा वरिष्ठ कैडेटों की विशेष भूमिका रही।

पंतनगर विश्वविद्यालय से 15 कार्मिक सेवानिवृत्त

दिनांक 30 नवम्बर, 2010 को विश्वविद्यालय से 15 कार्मिक सेवानिवृत्त हुए जिनको प्रशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित विदाई समारोह में भावभीनी विदाई दी गयी। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति, डा. जे. कुमार ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को फूलमाला पहनायी तथा उनके पेंशन व ग्रेच्युटी प्रपत्र एवं सामान्य भविष्य निधि की राशि के चेक प्रदान किये। वित्त नियंत्रक, श्रीमती अमिता जोशी ने सभी का स्वागत किया एवं कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यवाहक कुलपति, डा. जे. कुमार ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे

कार्मिकों को कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट, जो कि परिसर से बाहर हैं, उनकी ओर से प्रेषित शुभकामनाओं से सभी को अवगत कराया जिसमें डा. बिष्ट ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों को बधाई देते हुए परिवार सहित सुखमय जीवन के लिए मंगलकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह वर्ष स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाया गया जिसमें हमने विश्वविद्यालय की अनेक उपलब्धियों को देखा और लोगों को देखने का मौका मिला। इन उपलब्धियों में आप सभी का सराहनीय योगदान रहा है। आज सेवानिवृत्त हुए कार्मिकों में डा. ए.के. अग्निहोत्री, प्राध्यापक; डा. अब्दुल कदीर, खण्ड अधीक्षक; श्री रामप्रीत, ट्रैक्टर आपरेटर; श्री बद्री नाथ शर्मा, ट्रैक्टर चालक; श्री बाबूराम, पम्प चालक; श्री केशर राम, हेड कुक; श्री उमेद सिंह, हेड कुक; श्री दुखहरन, ग्वाला; श्री रिखी मुनी मिश्रा, कुक; श्रीमती राजरानी शर्मा, पत्रवाहक; श्री बृजलाल, श्री चरकू, श्री वनेश्वर, श्री छेदी एवं श्रीमती फगुनी कृषि श्रमिक सम्मिलित थे।

संरक्षक : डा. बी.एस. बिष्ट
कुलपति

प्रबंध संपादक : डा. बी. कुमार
निदेशक संचार

संपादक : श्री भीष्म सिंह
वैयक्तिक सहायक